

सुनना पढ़ाने के लिए कार्यनीतियाँ



भारत में विद्यालय आधारित
समर्थन के माध्यम से शिक्षक
शिक्षा
www.TESS-India.edu.in



<http://creativecommons.org/licenses/>



संदेश



शिक्षकों को बाल केंद्रित कक्षा अभ्यास की ओर उन्मुख करने तथा शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को सम्मुख रखते हुए TESS-India राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। इस दिशा में TESS-India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) का विकास किया गया है। ये संसाधन शिक्षकों तथा शिक्षक-प्रशिक्षकों के वृत्ति विकास (Professional development) में लाभकारी एवं उपयोगी सिद्ध होंगे। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के नेतृत्व में इन संसाधनों का स्थानीयकृत किया गया है, जिसके अन्तर्गत इनके उद्देश्य के मूल को बरकरार रखते हुए इनमें स्थानीय, भाषा, बोली, प्रथाओं, संस्कृतियों तथा नियमों को सम्मिलित किया गया है। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता एवं सुगमता पूर्वक किया जा सकता है।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के मार्गदर्शन में TESS-India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) नेट पर आप सभी के लिए सुलभ उपलब्ध है।

शुभकामनाओं सहित।

(डॉ० मुरली मनोहर सिंह)

निदेशक

एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार

समीक्षा एवं दिशाबोध
डॉ. मुरली मनोहर सिंह, निदेशक राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. सैयद अब्दुल मोईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. कासिम खुशीद, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
डॉ. इम्तियाज आलम, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. स्नेहाशीष दास राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. अर्चना, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. रीता राय, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
श्री तेज नारायण प्रसाद, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

स्थानीयकरण
भाषा और शिक्षा
डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एडुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर, वैशाली
श्री सुमन सिंह, प्रखंड साधनसेवी, भगवानपुर हाट, सिवान
श्री कात्यायान कुमार त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय चैलीटाल, पटना
श्री कृत प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, हिलसा, नालंदा
प्राथमिक अंग्रेजी
श्री अरशद रजा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, पचासा रहुई, नालंदा
श्री संतोष सुमन, सहायक शिक्षक, बालिका उच्च विद्यालय, महुआबाग
श्री शशि भूषण पाण्डेय, सहायक शिक्षक, उत्कर्मित मध्य विद्यालय, मुकुन्दपुर, नालंदा
श्रीमती रचना त्रिवेदी, शिक्षिका, नोट्रेडेम अकादमी, पटना
माध्यमिक अंग्रेजी
श्री मणिशंकर, प्रधानाध्यापक, तारामणी भगवानसाव उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोइलवर, भोजपुर
डॉ. ब्रजेश कुमार, शिक्षक, पी. एन. एंग्लो संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, नया टोला, पटना
प्राथमिक गणित
श्री कृष्ण कान्त ठाकुर
श्री दिलीप कुमार, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, बुलनी हैदरपुर, नालंदा
श्री गोविन्द प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, चनपटिया, पश्चिमी चम्पारण
माध्यमिक गणित
डॉ. राकेश कुमार, भागलपुर डायट
श्री रिजवान रिजवी, उत्कर्मित मध्य विद्यालय, सिलौटा चाँद, कैमूर
श्री इन्द्रभूषण कुमार, शिक्षक, सहयोगी माध्यमिक विद्यालय, हाजीपुर, वैशाली
प्राथमिक विज्ञान
श्री मनोज त्रिपाठी, प्रखंड साधनसेवी, बरहारा, भोजपुर
श्री शशिकान्त शर्मा, प्रखंड साधनसेवी, आरा, भोजपुर
श्री रणबीर सिंह, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, आदर्श आवासीय मध्य विद्यालय शिक्षक संघ, सहरसा
माध्यमिक विज्ञान
श्री जी.वी.एस.आर प्रसाद
श्री मुकुल कुमार, शिक्षक, सहायक शिक्षक, गोरखनाथ सूर्यदेव माध्यमिक विद्यालय, राजापाकर वैशाली


TESS-India (Teacher Education Through School Based Support) का लक्ष्य है भारत में मुक्त शैक्षिक संसाधनों के द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर शिक्षकों के कक्षा अभ्यासों को बेहतर करना। ये संसाधन शिक्षकों के छात्र-केन्द्रित, भागीदारी दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायता करेंगे।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन (**Open Education Resources – OERs**) शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। ये संसाधन शिक्षकों के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं जो वे कक्षा में अपने छात्रों के साथ कर सकते हैं। साथ ही इनमें केस स्टडी भी हैं जो ये दर्शाते हैं कि किस प्रकार दूसरे शिक्षकों ने उस विषय को सिखाया है। संबंधित संसाधन शिक्षकों को पाठ योजना बनाने में और विषय पर ज्ञान वर्धन करने में उनकी सहायता करते हैं।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल हैं। ये भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये हैं और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (<http://www.tess-india.edu.in>)। मुक्त शैक्षिक संसाधन अनेकों संस्करणों में उपलब्ध हैं जो प्रत्येक राज्य के लिए उपयुक्त है जहाँ TESS India कार्यरत है। उपयोगकर्ता इन संसाधनों को अनुकूल और स्थानीयकृत करने के लिए स्वतंत्र हैं ताकि ये स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को पूरा कर सकें।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है:  . इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।

TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है।

TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट, <http://www.tess-india.edu.in/> से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 SE08v1

Bihar

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है। <http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/>

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है



अपनी अंग्रेजी कक्षाओं में, हम पढ़ने और लिखने का अभ्यास तो करते हैं, लेकिन प्रायः बोलने और सुनने का अभ्यास नहीं करते। हमारी पाठ्यपुस्तकों में सुनने के अभ्यास नहीं होते हैं, और सुनने की कोई परीक्षा भी नहीं होती। मैं जानती हूँ कि यह महत्वपूर्ण है कि मेरे छात्र-छात्रा बोली हुई अंग्रेजी समझें, लेकिन जब भी मैं उनके साथ अंग्रेजी बोलने का प्रयास करती हूँ तो उन्हें मेरी बात समझने में कठिनाई होती है। अपने छात्र-छात्राओं के सुनने के कौशलों को सुधारने में मैं उनकी मदद कैसे कर सकती हूँ?

अतीत में, भारत में अंग्रेजी भाषा के सीखने-सिखाने के लिए विद्यालय पाठ्यक्रम पढ़ने और लिखने को प्रधानता देता था। तथापि, National Curriculum Framework (2005, p. 40) जैसे नीति दस्तावेज अब सुनना और बोलना पढ़ाने के महत्व को भी मान्यता देते हैं:

Speech and listening, reading and writing, are all generalised skills, and children's mastery over them becomes the key factor affecting success at school. In many situations, all of these skills need to be used together.

सुनना और बोलना अब पढ़ाया जाता है क्योंकि वे बातचीत करने के लिए अंग्रेजी का उपयोग करने में सक्षम होने के बहुत महत्वपूर्ण अंश हैं। सुनने के कौशल बोलने के कौशलों के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण होते हैं। अन्य कौशलों को सुनने से छात्र-छात्राओं को अपनी अंग्रेजी के उच्चारण और वाक्यपटुता को विकसित करने में सहायता मिलती है।

सुनने के सफल कौशल समय के साथ और ढेर सारे अभ्यास के बाद प्राप्त होते हैं। आपके छात्र-छात्राओं को सुनने के कौशलों को विकसित करने में सक्षम होने के लिए बोली जाने वाली अंग्रेजी के संपर्क में आना जरूरी होता है। तथापि, भारत के कुछ भागों के छात्र-छात्राओं को कक्षा से बाहर अंग्रेजी सुनने के अधिक अवसर नहीं मिलते हैं।

यह इकाई इस बारे में विचार पेश करती है कि आप अपनी अंग्रेजी कक्षाओं में सभी छात्र-छात्राओं को शामिल करने वाली सुनने की सार्थक गतिविधियों को विकसित करने के लिए संसाधनों का सृजनात्मक ढंग से उपयोग कैसे कर सकते हैं।

आप इस इकाई में सीख सकते हैं

- अपनी अंग्रेजी कक्षा के लिए सुनने की सार्थक गतिविधियों की परिकल्पना कैसे करें।
- सक्रिय ढंग से सुनने में छात्र-छात्राओं की मदद करने के लिए प्रश्न पूछना।
- सुनने की गतिविधियों के लिए ऑडियो रिकॉर्डिंग्स का उपयोग करने पर विचार।

1 छात्र-छात्राओं को सुनने में शामिल करना

आप हर रोज अपनी घर की भाषा (या अन्य भाषाओं) में कई अलग अलग चीजों को सुनते हैं। आप अब तक के दिन के बारे में सोचें – आपने पहले से ही क्या सुन रखा है? हो सकता है आपने निम्नलिखित में से कुछ बातें नोट की होंगी:

- रेडियो पर मौसम का हाल
- काम पर किसी सहकर्मी को नई विद्यालय नीति के बारे में बात करते हुए
- किसी मित्र ने आपको फोन करके बताया कि वह आज विलंब से क्यों आने वाला है।

आपकी सूची में संभवतः और भी कई बातें हैं।

इन में से प्रत्येक स्थितियों में आप निष्क्रिय सुनने वाले नहीं हैं। जानकारी का पता लगाने के लिए उस व्यक्ति ने जो कुछ कहा उसे आपने सक्रिय रूप से सुना। जब आपके पास सुनने का कोई कारण होता है, तब आप सक्रिय रूप से सुनते हैं।

जब छात्र-छात्रा कक्षा में सुनने की कोई गतिविधि करते हैं, तब उनके सुनने के लिए कोई कारण होनी चाहिए। केस स्टडी 1 में शिक्षक अपनी कक्षा के साथ एक दृष्टिकोण आजमाते हैं।

केस स्टडी 1: श्री इमरान 'सुनें और चित्र बनाएं' गतिविधि आजमाते हैं

श्री इमरान एक माध्यमिक अंग्रेजी शिक्षक हैं। वे हाल ही में छात्र-छात्राओं की अंग्रेजी में सुनने के कौशलों को सुधारने में मदद करने के बारे में एक अंग्रेजी भाषा शिक्षक प्रशिक्षण वर्कशॉप में गए थे। उन्होंने वहाँ जो अनुभव पाया उसे किस तरह से लागू करने का प्रयास किया इसका विवरण पढ़ें।

प्रशिक्षक ने हमें एक गतिविधि दिखाई जो हम अपने छात्र-छात्राओं के साथ कर सकते हैं। गतिविधि का नाम था 'listen and draw'। प्रशिक्षक ने हमसे उनके निर्देशों का पालन करने और वे जो कुछ कह रही थीं उसका चित्र बनाने को कहा। उन्होंने हमसे निम्नलिखित चीजें बनाने को कहा:

- एक पेड़
- पेड़ पर तीन पक्षी
- पेड़ के नीचे दो फूल
- बायीं ओर सूर्य।

हममें से हर एक के पास एक कागज और एक पेन था और हमें वह बनाना था जो प्रशिक्षक ने कहा था। पहले मैंने सोचा कि चित्र बनाना अजीब सी बात है, क्योंकि मैं कोई बढ़िया चित्रकार नहीं हूँ। लेकिन प्रशिक्षक ने हमें वही काम शीघ्रता से करने को कहा। उसमें हमें मज़ा आया और वह भाषणों को सुनने से कुछ बेहतर काम था। अंत में, हमने अपने चित्रों की तुलना अपने बगल में बैठे व्यक्ति के चित्रों के साथ की। हम सभी यह देखकर हँसे कि चित्र कितने भिन्न थे।

हालांकि यह एक मजेदार गतिविधि थी, मैंने देखा कि इससे मेरे छात्र-छात्राओं को सुनने का अभ्यास करने में मदद मिल सकती है। इससे उन्हें पूर्वसर्गों (जैसे 'in', 'under' या 'on') जैसी भाषाई संरचनाओं का अभ्यास करने में भी मदद मिल सकती है। मैंने निश्चय किया कि मैं इस गतिविधि को अपनी कक्षा में जितनी जल्दी संभव होगा आजमाऊँगा।

जब मेरे छात्र-छात्रा 'The Bond of Love' by Kenneth Anderson from the Class IX textbook *Beehive* कहानी पढ़ रहे थे तब मुझे एक अच्छा अवसर मिला। कहानी में कुछ चित्र दिए गए हैं। मैंने पृष्ठ 117 पर दिए गए चित्र का उपयोग 'सुनें और चित्र बनाएं' की गतिविधि के लिए करने का निश्चय किया (देखें संसाधन 1)।

गतिविधि शुरू करने के लिए, मैंने छात्र-छात्राओं से कहा:

I'm going to read out a few instructions and as I talk, you have to draw. You don't have to worry about your drawing – it's not an art exam. It's just that I am checking to see whether you follow the instructions given in English. Is this clear? Is there a question, or is the activity clear to everybody?

जब मैं आश्वस्त हो गया कि उन्होंने समझ लिया है तब मैंने यह कहते हुए शुरू किया:

Right, so close your textbooks please. You all have pens with you. Can I see your pens? Right, draw a bear on the left side of the page. Now, draw a cage around the bear. After you have drawn the cage, draw a woman sitting on the ground to the right of the bear. Draw a picnic basket to the right of that woman. Then draw some apples in the picnic basket. Draw a cake next to the basket ...

मेरे कुछ छात्र-छात्रा पहले हैरान या चिंतित लगे। कुछ ने शिकायत की कि उन्हें चित्र बनाना अच्छी तरह से नहीं आता है। मैंने समझाया कि यह उनके चित्रकारी कौशल की परीक्षा नहीं है, बल्कि यह तो अंग्रेजी सुनने के अभ्यास का मौका है। मैंने उनसे कहा: 'Don't worry about how good your drawing is. This is not art class, it's English class! Just draw quickly.' जब वे चित्र बना रहे थे, तब मैंने कमरे में घूम कर उन्हें 'Nice bear!' या 'Good, the woman is on the right side of the page.' जैसी बातें कहकर प्रोत्साहित किया।

निर्देश देने के बाद, मैंने अपने छात्र-छात्राओं से एक दूसरे के साथ अपने चित्रों की तुलना करने को कहा [चित्र 1]। जब उन्होंने एक दूसरे के चित्रों को देखा तो वे हँसने लगे क्योंकि वे सभी बहुत अलग अलग थे। एक छात्रा ने देखा कि उसने पृष्ठ की बायीं ओर की बजाय दायीं ओर अपना भालू बना दिया था। तब मैंने उनसे *Beehive* पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ 117 का चित्र देखने को कहा।



चित्र 1: चित्र बनाते हुए छात्र-छात्रा।

सुनने का अभ्यास करने में अपने छात्र-छात्राओं की मदद करने के लिए यह एक शानदार गतिविधि थी। उसने कहानी को पढ़ने की तैयारी करने में छात्र-छात्राओं की मदद भी की। चित्र के बारे में बात करने के कारण, पाठ को पढ़ने से पहले उसके बारे में उनके मन में कुछ विचार थे।

मेरे छात्र-छात्राओं को यह 'listen and draw' गतिविधि अच्छी लगी, इसलिए मैंने भविष्य में पाठ्यपुस्तक के सरल चित्रों का उपयोग करते हुए समय-समय पर उसे दोहराने का निश्चय किया। मैंने यह भी सोचा कि अभ्यस्त हो जाने के बाद, शायद छात्र-छात्रा इस गतिविधि को समूहों या जोड़ियों में कर सकेंगे – एक छात्र चित्र को देखेगा और अपने सहपाठियों को उसका वर्णन करेगा, जो सुनेंगे वे उसका चित्र बनाएंगे। इस तरह, वे सुनने और बोलने का अभ्यास करेंगे।

जब छात्र-छात्रा कक्षा में सुनने की कोई गतिविधि करते हैं, तब उनके सुनने के लिए कोई कारण होना चाहिए। केस स्टडी 1 में शिक्षक अपनी कक्षा के साथ एक दृष्टिकोण आजमाता है।

गतिविधि 1: कक्षा में आजमाएं: सुनें और चित्र बनाएं

केस स्टडी की 'listen and draw' गतिविधि एक सरल गतिविधि है जिसे आप किसी भी आयु समूह, और अनेक अलग अलग चित्रों के साथ कर सकते हैं। यह गतिविधि:

- सुनने का अभ्यास करने में छात्र-छात्राओं की मदद करती है
- सन्दर्भ में भाषा का अभ्यास करने में छात्र-छात्राओं की मदद करती है (उदाहरण के लिए, prepositions)

- सभी छात्र-छात्राओं को शामिल करती है
- छात्र-छात्राओं को पाठ्यपुस्तक से पठन के लिए तैयार कर सकती है। उन्हें पाठ को पढ़ने से पहले उसकी कुछ शब्दावली और विचारों से परिचित कराया जाएगा।

अपनी कक्षा में इस गतिविधि को आजमाने के लिए निम्नलिखित चरणों का पालन करें:

1. कक्षा से पहले, कोई ऐसी वस्तु से युक्त सरल चित्र चुनें जिसका चित्र बनाना आसान हो। आपको सुनिश्चित करना होगा कि आप और आपके छात्र-छात्रा चित्र की वस्तुओं के लिए प्रयुक्त अधिकांश शब्द जानते हैं। शायद ऐसा चित्र चुनना सबसे अच्छा होता है जिसमें बहुत ज्यादा वस्तुएं न हों ताकि उसका वर्णन करना
2. और चित्र बनाना अपेक्षाकृत आसान हो। यदि चित्र बहुत जटिल हुआ, तो उसका चित्र बनाने में छात्र-छात्राओं को काफी समय लग सकता है। गतिविधि की रफ्तार को बढ़ाने के लिए, छात्र-छात्राओं को काफी शीघ्रता से चित्र बनाने के लिए उनका प्रोत्साहन करें। आप बोर्ड पर चित्र का एक उदाहरण बनाकर उन्हें प्रदर्शित कर सकते हैं कि वे कितनी शीघ्रता से चित्र बना सकते हैं।
3. उन निर्देशों के बारे में सोचें (या लिखें) जो आप चित्र बनाने के लिए छात्र-छात्राओं को देंगे। (संसाधन 2 में इस गतिविधि को करने के लिए आपके लिए आवश्यक कक्षा में प्रयुक्त कुछ भाषा के उदाहरण दिए गए हैं।)
4. जब आप अपने छात्र-छात्राओं को गतिविधि से परिचित कराते हैं, तब उनसे इस बात की चिंता न करने को कहें कि उनकी चित्रकला कितनी अच्छी है।
5. पहला निर्देश पढ़ें और छात्र-छात्राओं को चित्र बनाने के लिए कुछ समय दें – लेकिन बहुत अधिक समय नहीं! अपने छात्र-छात्राओं को शीघ्रता के साथ चित्र बनाने के लिए प्रोत्साहन दें।
6. आपको जितनी बार भी लगता हो कि छात्र-छात्राओं को जरूरत है उतनी बार हर निर्देश दोहराएं। यदि वे फिर भी न समझें, तो किसी अलग शब्द का उपयोग करें। समझने में उनकी मदद करने के लिए आप उनके घर की भाषा का उपयोग भी कर सकते हैं। लेकिन याद रखें आप उनकी अंग्रेजी सुनने में सहायता कर रहे हैं, इसलिए घर की भाषा का उपयोग बार बार करने का प्रयास न करें।
7. निर्देशों को पढ़ने के बाद, अपने छात्र-छात्राओं से उनके चित्रों की तुलना करने को कहें। उनसे किसी भी भिन्नता को नोट करने को कहें और फिर उनसे पाठ्यपुस्तक में दिए गए चित्र से अपने चित्रों की तुलना करने को कहें।

यदि आपके छात्र-छात्रा इस गतिविधि का आनंद लेते हैं, तो आप उनसे यह काम जोड़ियों या समूहों में करा सकते हैं। एक छात्र पाठ्यपुस्तक से कोई चित्र चुन सकता है और अपने सहपाठियों के सम्मुख उसका वर्णन कर सकता है। सहपाठी वर्णन को सुनकर चित्र बनाते हैं (और पाठ्यपुस्तकों पर नज़र नहीं डालते हैं)। आप अपने छात्र-छात्राओं से कोई चित्र चुनने और बोर्ड पर उसका चित्र बनाने के लिए भी कह सकते हैं।



ज़रा सोचिए

इस गतिविधि को अपने छात्र-छात्राओं के साथ आजमाने के बाद, निम्नलिखित प्रश्नों के बारे में सोचें:

- जो चित्र आपने चुना क्या वह आपके छात्र-छात्राओं द्वारा बनाने में आसान था? यदि नहीं, तो अगली बार आप किस प्रकार का चित्र चुनेंगे?
- क्या आपके छात्र-छात्राओं ने गतिविधि का आनंद लिया? क्या आपके सभी छात्र-छात्राओं ने चित्र

बनाया?

- आपको सक्रिय रूप से हस्तक्षेप करने की कब जरूरत पड़ी? ऐसा क्यों हुआ? आप अगली बार इस गतिविधि को कैसे संशोधित करेंगे?

2 छात्र-छात्राओं को सुनने में मदद करने के लिए प्रश्न पूछना

जब छात्र-छात्रा अंग्रेजी में सुनने की गतिविधियाँ करते हैं, तब उनसे उसके हर शब्द को समझने की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। हो सकता है वे केवल कुछ शब्द समझें। यदि छात्र-छात्राओं को उनके द्वारा सुनी जा रही बात समझ में न आए तो वे कुंठित हो सकते हैं, इसलिए उनसे धैर्य रखने को कहें। कक्षा में आप जो सुनने की गतिविधियाँ करते हैं उनसे उन्हें समय के साथ सुनने के कौशल को विकसित करने में मदद मिलनी चाहिए। ऐसा करने का एक तरीका है आपके छात्र-छात्राओं को उनके सुनने से पहले सोचने के लिए प्रश्न देना।



ज़रा सोचिए

- आप क्यों सोचते हैं कि प्रश्न पूछने से छात्र-छात्राओं को सुनने के लिए तैयार करने में मदद मिलेगी?

जिस तरह पाठ को पढ़ने से पहले छात्र-छात्राओं से प्रश्न पूछना महत्वपूर्ण होता है (देखें इकाई: समझने के लिए पठन का समर्थन करना), ठीक उसी तरह छात्र-छात्राओं के कोई बात सुनने से पहले प्रश्न पूछने से भी उन्हें मदद मिल सकती है।

यह:

- जो कुछ वे सुनने जा रहे हैं उसके लिए उन्हें तैयार कर सकता है
- मुख्य – या महत्वपूर्ण – शब्दों को चुनना सीखने, और जो कुछ कहा जा रहा है उसे समझने में इन शब्दों का प्रयोग करने में मदद कर सकता है
- वे जो कुछ सुन रहे हैं उसमें उनकी रुचि बढ़ा सकता है – जब वे सुनते समय प्रश्नों के उत्तर खोजने का प्रयत्न करते हैं, तो वे सक्रिय रूप से सुन रहे होते हैं।

इकाई के इस भाग में, यह देखते हैं कि आप अपने छात्र-छात्राओं के सुनने के कौशलों को विकसित करने में मदद करने के लिए किस तरह से प्रश्न पूछ सकते हैं।

केस स्टडी 2: श्री इमरान पाठ्यपुस्तक से एक कहानी को सुनने में छात्र-छात्राओं की मदद करने के लिए एक गतिविधि आजमाते हैं

केस स्टडी 1 में, आपने माध्यमिक अंग्रेजी के शिक्षक श्री इमरान के बारे में पढ़ा जो छात्र-छात्राओं के अंग्रेजी सुनने के कौशलों को सुधारने में मदद करने के बारे में एक अंग्रेजी भाषा शिक्षक/शिक्षिका प्रशिक्षण वर्कशॉप में गए। यहाँ वे वर्णन करते हैं कि उन्होंने छात्र-छात्राओं को उनके द्वारा पढ़कर सुनाई गई कहानी को समझने में मदद करने के लिए प्रश्नों का उपयोग करने का प्रयास कैसे किया।

वर्कशॉप के दौरान, मैंने अन्य प्रतिभागियों के साथ निम्नलिखित प्रश्न पर चर्चा की: 'कक्षा में अपने छात्र-छात्राओं के सुनने के कौशलों को विकसित करने के लिए आप उन्हें कैसे तैयार कर सकते हैं?' एक प्रतिभागी ने एक गतिविधि का वर्णन किया जो वह कक्षा में नियमित रूप से करती है:

मैंने कक्षा को पाठों के अंश ऊँची आवाज में पढ़कर सुनाए ... बस एक या दो अनुच्छेद।

ओह, क्या आप सारे पाठ को जोर से पढ़कर नहीं सुनाती हैं?

नहीं, सारा पाठ बहुत लंबा है। उदाहरण के लिए, मैं पहला अनुच्छेद पढ़ती हूँ और अपने छात्र-छात्राओं से अपनी किताबें बंद करने और सुनने को कहती हूँ।

क्या आपके छात्र-छात्रा समझ सकते हैं?

नहीं, वे हर शब्द नहीं समझ सकते हैं। लेकिन वे सामान्य मतलब समझते हैं। पहले अनुच्छेद को पढ़ने के बाद, मैं अपने छात्र-छात्राओं से अनुमान लगाने को कहती हूँ कि आगे क्या होगा ... फिर वे शेष पाठ को पढ़कर देखते हैं कि क्या वे सही थे।

मुझे यह विचार पसंद आया और मैंने अगले सप्ताह अपनी अंग्रेजी कक्षा में उसे आजमाया। छात्र-छात्रा Chapter 9 of the NCERT Class X textbook कर रहे थे। पाठ का नाम 'Madam Rides the Bus' है और वह निम्नलिखित अनुच्छेद के साथ शुरू होता है:

There was a girl named Valliammai who was called Valli for short. She was eight years old and very curious about things. Her favourite pastime was standing in the front doorway of her house, watching what was happening in the street outside. There were no playmates of her own age on her street, and this was about all she had to do.

पाठ के शुरू में, मैंने अपने सभी छात्र-छात्राओं से अपनी किताबें बंद करने को कहा, और फिर उन्हें बताया कि मैं वल्ली नामक एक लड़की के बारे में एक अनुच्छेद पढ़ने जा रहा हूँ। मैंने बोर्ड पर निम्नलिखित प्रश्न लिखे, और अपने छात्र-छात्राओं से उन्हें अपनी नोटबुकों में लिखने को कहा:

What was the girl's name?

How old was she?

What was her favourite pastime?

Why did she do this?

जब छात्र-छात्राओं ने लिखना समाप्त कर लिया, तो मैंने पूछा: 'Do you understand the questions? Do you know the word "pastime"? A pastime is like "hobby" या "शौक"।'

जब विश्वास हो गया कि उन्होंने प्रश्नों को समझ लिया है, तो मैंने उनसे अनुच्छेद को सावधानीपूर्वक सुनने, और बोर्ड पर

लिखे प्रश्नों के लिए उत्तर खोजने को कहा। मैंने अनुच्छेद को ऊँची आवाज़ में, धीरे-धीरे और स्पष्ट ढंग से पढ़ा। फिर मैंने उनसे यह देखने को कहा कि क्या वे प्रश्नों के उत्तर जोड़ियों में दे सकते हैं। उनमें से कई पहले प्रश्नों का उत्तर नहीं दे सके, इसलिए मैंने अनुच्छेद को फिर से ऊँची आवाज़ में पढ़ा। उसके बाद, अधिकांश छात्र-छात्रा प्रश्नों का उत्तर देने में सक्षम थे।

मैंने तब अपने छात्र-छात्राओं से अनुमान लगाने को कहा कि जब वल्ली बाहर सड़क को देख रही थी तब उसे कौन सी चीजें दिख रही थीं। एक बार फिर, मैंने उनसे अपने विचारों पर जोड़ियों में चर्चा करने, और उन्हें नोट करने के लिए कहा। मैंने उन्हें इसके लिए थोड़ा समय दिया, और कुछ विचार सुझाने को कहा। उन्होंने सुझाया कि वह लोगों को रिकशा में यात्रा करते, माल बेचते हुए इत्यादि देख सकती है।

इसके बाद, मैंने अपने छात्र-छात्राओं से अपनी किताबें खोलने और कहानी पढ़ना जारी रखने को, और यह पता लगाने को कहा कि वल्ली को सड़क पर क्या देखना सबसे अधिक पसंद था। छात्र-छात्राओं ने तुरंत पता कर लिया कि उसे बस को देखने में मज़ा आ रहा था।

इस केस स्टडी में, शिक्षक ने सुनने की गतिविधि के लिए पाठ्यपुस्तक की एक कहानी का उपयोग किया। यह गतिविधि छात्र-छात्राओं को मुख्य शब्दों को सुनने के लिए प्रोत्साहित करती है, जो उन्हें उन शब्दों और वाक्यांशों से मुख्य संदेश को समझने में मदद करते हैं जो उन्हें ज्ञात हैं। यदि आप इसे अक्सर करते हैं, तो छात्र-छात्रा पाठों को अपने सामने रखे बिना अंग्रेजी सुनने के अभ्यस्त हो जाएंगे – इससे उन्हें कक्षा के बाहर अंग्रेजी सुनने में मदद मिलेगी।

गतिविधि 2: कक्षा में आजमाएं: जानकारी के लिए सुनने में छात्र-छात्राओं की मदद करना

आप यह गतिविधि अपनी अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक के पाठों से सुनने के कौशल विकसित करने में अपने छात्र-छात्राओं की मदद करने के लिए कर सकते हैं। आप इसे कई अलग अलग पाठों के साथ और किसी भी स्तर के छात्र-छात्राओं के लिए कर सकते हैं। यह गतिविधि कहानियों या गीतों के साथ भी की जा सकती है।

अपनी कक्षा में इसे आजमाने के लिए निम्न चरणों का पालन करें:

1. अपनी पाठ्यपुस्तक से कोई पाठ चुनें। पहले अनुच्छेद को देखें। क्या यह काफी छोटा है? क्या आप इसके बारे में कुछ रोचक प्रश्न पूछ सकते हैं?
2. कक्षा से पहले अनुच्छेद को जोर से पढ़ने का अभ्यास करें, और पाठ के बारे में पूछने के लिए दो या तीन प्रश्न तैयार करें। (इस गतिविधि को करने के लिए आपके लिए आवश्यक कक्षा में प्रयुक्त कुछ भाषा के लिए संसाधन 2 देखें।)
3. कक्षा में, प्रश्नों को बोर्ड पर लिखें। अपने छात्र-छात्राओं से कहें कि आप एक पाठ ऊँची आवाज़ में पढ़ने जा रहे हैं और प्रश्नों का उत्तर खोजने के लिए उन्हें उसे सुनना चाहिए।
4. अनुच्छेद को ऊँची आवाज़ में पढ़ें। सुनिश्चित करें कि आपके छात्र-छात्राओं ने अपनी पुस्तकें बंद कर ली हैं।
5. अपने छात्र-छात्राओं से प्रश्नों के उत्तरों पर जोड़ियों में चर्चा करने को कहें। यदि जरूरी हो, तो उत्तर देने में उनकी मदद करने के लिए अनुच्छेद को फिर से पढ़ें। चर्चा के महत्व के बारे में अधिक जानने के लिए, संसाधन 3 और नीचे दिया गया वीडियो देखें।
6. उनसे जोड़ियों में यह चर्चा करने को कहें कि आगे क्या हो सकता है। इसके लिए थोड़ा समय दें। छात्र-छात्राओं से कुछ सुझाव देने को कहें। यह बोलने की एक उपयोगी गतिविधि हो सकती है, इसलिए छात्र-छात्राओं को अंग्रेजी का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें। लेकिन यह भी महत्वपूर्ण है कि आप उन्हें अपने घर की भाषा में उत्तर देने की अनुमति भी दें, क्योंकि इससे आपको यह पता करने में मदद मिलेगी कि क्या उन्होंने पाठ को समझ लिया है।



वीडियो: सीखने के लिए बातचीत



ज़रा सोचिए

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी सहकर्मी के साथ करें।

- क्या पाठ को ऊँची आवाज में पढ़ना आपके लिए आसान था? यदि नहीं, तो उसे अधिक आसान बनाने के लिए आप क्या करेंगे?
- आपके छात्र-छात्राओं ने प्रश्नों का उत्तर कैसे दिया? यदि आप यह गतिविधि दोबारा करते हैं तो क्या आप अपने द्वारा पूछे गए प्रश्नों को बदल देंगे?
- इस गतिविधि में सीखने की प्रक्रिया का आकलन आपने कैसे किया? क्या छात्र-छात्रा सीख रहे थे?

यदि आपको पाठ को ऊँची आवाज में पढ़ने में कठिनाई हुई, तो आप कक्षा से पहले अभ्यास करने का प्रयास कर सकते हैं। आप इसे जितना अधिक पढ़ेंगे, यह उतना ही अधिक स्वाभाविक बनता जाएगा। छात्र-छात्राओं से आप जो प्रश्न पूछते हैं उनसे उन्हें पाठ में मुख्य विचारों और महत्वपूर्ण शब्दों की खोज करने में मदद मिलनी चाहिए। यदि आपके छात्र-छात्राओं को प्रश्नों का उत्तर देने में कठिनाई हो रही है, तो आपको पाठ में प्रयुक्त कुछ शब्दावली से उनकी मदद करने की जरूरत पड़ सकती है (अधिक विचारों के लिए शब्दावली को सीखने, उपयोग में लाने और याद रखने में छात्र-छात्राओं की मदद करना देखें)।

3 ऑडियो रिकॉर्डिंग्स का उपयोग करना



चित्र 2: कक्षा में ऑडियो रिकॉर्डिंग्स का उपयोग करना।

ऐसी कई सुनने की गतिविधियाँ हैं जिनका उपयोग आप अपनी कक्षाओं में छात्र-छात्राओं के साथ कर सकते हैं। तथापि, अन्य स्वरों को सुनना भी छात्र-छात्राओं के लिए अच्छा हो सकता है। कक्षा में ऑडियो रिकॉर्डिंग्स लाकर आप ऐसा कर सकते हैं। कुछ उदाहरण हैं:

- रेडियो से टेप करके टेप रिकॉर्डर पर बजाई गई रिकॉर्डिंग्स
- टेप रिकॉर्डर या सीडी प्लेयर पर बजाए गए गीत
- एमपी 3/4 प्लेयर या मोबाइल फोन पर बजाए गए गीत
- शिक्षक/शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं या अन्य लोगों द्वारा मोबाइल फोन से की गई ऑडियो रिकॉर्डिंग्स (उदाहरण के लिए, शिक्षक/शिक्षिका कोई संवाद रिकॉर्ड कर सकते हैं)
- सीडी प्लेयर पर बजाई गई या लैपटॉप या एमपी 3 प्लेयर में डाउनलोड की गई ऑडियो बुक्स
- मोबाइल फोन या लैपटॉप पर डाउनलोड की गई ऑडियो रिकॉर्डिंग्स (देखें संसाधन 3) या उन ऑडियो रिकॉर्डिंग्स के लिए लिंक्स जो अंग्रेजी सीखने वालों के लिए विकसित की गई हैं।



ज़रा सोचिए

- आपकी कक्षा में ऑडियो रिकॉर्डिंग्स का उपयोग करने के क्या लाभ हैं? अगर सम्भव हो तो अपने किसी सहकर्मी के साथ इस पर चर्चा करें।

आपका अपने छात्र-छात्राओं के साथ अधिक-से-अधिक अंग्रेजी बोलना अच्छा है, साथ ही यह भी महत्वपूर्ण है कि वे विविध प्रकार के स्वर और लहजे सुनें। ऑडियो रिकॉर्डिंग्स बोली गई अंग्रेजी के अलग अलग प्रतिमान प्रदान कर सकती हैं। इससे छात्र-छात्राओं को उच्चारण में मदद मिल सकती है। ऑडियो रिकॉर्डिंग्स का उपयोग पाठों में विविधता भी लाता है, और कुछ छात्र-छात्राओं को कक्षा में ऐसा होना मजेदार लग सकता है जो टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हैं।

अब एक शिक्षक/शिक्षिका के बारे में केस स्टडी पढ़ें जो कक्षा में ऑडियो रिकॉर्डिंग्स का उपयोग करता/करती है।

केस स्टडी 3: सुश्री रेखा के साथ समाचार सुनना

सुश्री रेखा को अंग्रेजी अच्छी लगती है और वे हमेशा अपनी भाषा की क्षमता को बढ़ाने का प्रयास करती हैं। जब भी हो सके, वे अंग्रेजी किताबें और पत्रिकाएं पढ़ती हैं और अंग्रेजी टीवी कार्यक्रम तथा फिल्में देखती हैं। वे जानती हैं कि उन्होंने कार्यक्रम और फिल्में देखकर बहुत कुछ सीखा है: उन्होंने शब्द और वाक्यांश सीखे हैं, उनका उच्चारण सुधर गया है, और वे अन्य देशों के लोगों की बातें बेहतर ढंग से समझ सकती हैं। वे मानती हैं कि भाषा सीखने वालों के लिए उस भाषा को यथा संभव अधिक सुनना महत्वपूर्ण है, और वे अपने छात्र-छात्राओं को यथा सम्भव विभिन्न तरह के लोगों से, अधिक-से-अधिक अंग्रेजी सुनने का अवसर देने का प्रयास करती हैं। उन्होंने सुनने के कौशलों को सुधारने के लिए अपनी कक्षा में ऑडियो रिकॉर्डिंग्स का उपयोग कैसे किया इस बारे में उनका वृत्तांत पढ़ें।

मैं कक्षा 9 को पढ़ाती हूँ। मैं All India Radio [<http://allindiaradio.gov.in/default.aspx>] से नियमित रूप से दिन के समाचार अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड करती हूँ और उस रिकॉर्डिंग को अपनी कक्षा में ले जाती हूँ। मैंने कुछ सस्ते पोर्टेबल स्पीकर खरीदे हैं जिनका उपयोग मैं ऑडियो रिकॉर्डिंग्स के लिए कर सकती हूँ, ताकि सभी छात्र-छात्रा सुन सकें। रिकॉर्डिंग बजाने से पहले, मैं स्पीकर के तारों को अपने मोबाइल फोन में लगाती हूँ। उससे आवाज़ इतनी ऊँची हो जाती है कि सारी कक्षा सुन सके।

खबरों की रिकॉर्डिंग बजाने से पहले, मैं अपने छात्र-छात्राओं से पूछती हूँ कि आज की ताज़ा खबर क्या है। मैं उनसे यह अंग्रेजी में पूछती हूँ लेकिन उन्हें किसी भी ऐसी भाषा में जवाब देने की अनुमति देती हूँ जिसमें बात करने में वे सहज महसूस करते हैं। उनमें से कई छात्र-छात्रा अंग्रेजी में खबरें नहीं सुनते हैं। लेकिन यह गतिविधि उन्हें खबरों के बारे में सोचने को प्रेरित करती है। फिर मैं उनका परिचय खबरों में आने वाले कुछ नए शब्दों से करवाती हूँ। इस तरह वे उस रिकॉर्डिंग के लिए तैयार हो जाते हैं जिसे वे सुनने वाले हैं। उदाहरण के लिए, मैं ऐसा कह सकती हूँ:

Now you are going to listen to some news items. For the moment, just listen and write down how many news items you hear. Don't worry if you can't understand every word! That's completely normal. I'm going to play the recording more than once.

फिर मैं ऑडियो रिकॉर्डिंग्स बजाती हूँ। मैं जानती हूँ कि बहुत सारी अंग्रेजी को एक बार में सुनना कठिन होता है, इसलिए मैं उसे संक्षिप्त रखती हूँ। मैं केवल तीन या चार खबरें सुनाती हूँ और उन्हें दो बार बजाती हूँ।

उनके द्वारा कुछ खबरों को नोट कर लेने के बाद, मैं कहती हूँ:

Now work in pairs. Compare how many news items you heard. Was it two? Three? Four? Five? Then write down the topic of each news item you heard.

मैं छात्र-छात्राओं से जोड़ियों में काम करने को कहती हूँ, क्योंकि उस तरह सभी छात्र-छात्राओं को जो कुछ उन्होंने सुना है उसके बारे में सोचने और बात करने का अवसर मिलता है। यदि मैं छात्र-छात्राओं से एक-एक करके पूछती हूँ, तो कक्षा के केवल कुछ ही सदस्य भाग लेंगे। मैं अपने छात्र-छात्राओं को उन्होंने जो कुछ सुना है उस पर चर्चा करने और उन्हें लिखने के लिए कुछ समय देती हूँ। फिर मैं उनसे कहती हूँ कि वे अंग्रेजी में यह बतायें कि उन्होंने कितनी खबरें सुनीं और हर खबर किस बारे में थी। मैं उन्हें अंग्रेजी में बोलने को प्रेरित करने का प्रयास करती हूँ, लेकिन मैं वास्तव में यह जानना

चाहती हूँ कि उन्होंने रिकॉर्डिंग के सामान्य मतलब को समझ लिया है या नहीं। इसलिए यदि वे अंग्रेजी में जवाब नहीं देते हैं, तो मैं उनसे उनके घर की भाषा में पूछती हूँ कि उन्होंने क्या समझा है [चित्र 3]।



चित्र 3: यह स्पष्ट करते हुए छात्र-छात्रा कि उन्होंने क्या समझा है।

जब मुझे पता चल गया कि छात्र-छात्राओं ने समझ लिया है कि खबरें किस बारे में हैं तब मैं चाहती थी कि वे अधिक जानकारी के लिए प्रत्येक खबर के बारे में सुनें। इसलिए मैंने रिकॉर्डिंग को दोबारा बजाया। उसे बजाने से पहले, मैंने छात्र-छात्राओं से प्रत्येक खबर के बारे में कुछ प्रश्न पूछे।

मैंने रिकॉर्डिंग बजाई, और इस बार मेरे छात्र-छात्राओं ने मेरे प्रश्नों के उत्तरों के लिए सुनने का प्रयास किया। रिकॉर्डिंग को बजाने के बाद, मैंने छात्र-छात्राओं को मेरे द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों पर जोड़ियों में चर्चा करने को कहा। फिर मैंने उनसे प्रश्नों का उत्तर देने को कहा। कभी-कभी मैं अधिक प्रश्न पूछती हूँ और रिकॉर्डिंग को फिर से बजाती हूँ। पाठ के अंत में, मैंने रिकॉर्डिंग फिर से बजाई। इस समय तक, छात्र-छात्रा रिकॉर्डिंग के बारे में और अधिक समझने लगे थे।

अब मैं यह गतिविधि अपनी कक्षाओं में नियमित रूप से, सप्ताह में लगभग एक बार, करती हूँ। इसे करना काफी सरल है क्योंकि मैं सभी खबरों के लिए एक ही विधि का पालन कर सकती हूँ, इसलिए मुझे कक्षाओं के पहले अधिक तैयारी नहीं करनी पड़ती है। मेरे छात्र-छात्रा अंग्रेजी को बेहतर ढंग से सुनने लगे हैं, और वे कई नए शब्द और वाक्यांश सीख रहे हैं। वे अंग्रेजी को सुनने और उसका उपयोग करने में भी काफी अधिक आश्वस्त महसूस कर रहे हैं, और वे भविष्य के काम या अध्ययन के लिए तैयारी कर रहे हैं।

गतिविधि 3: कक्षा में आजमाएं: खबरें सुनना

अब आपकी बारी है। यदि आपके पास कोई उपकरण उपलब्ध है जिस पर आप रिकॉर्डिंग कर सकते हैं (जैसे मोबाइल फोन, एमपी 3/4 प्लेयर या कम्प्यूटर), तो अपनी कक्षा में ऑडियो रिकॉर्डिंग्स का उपयोग करने का प्रयास करें। आपको संसाधन 3 में ऐसी ऑडियो रिकॉर्डिंग्स के लिए लिंक्स मिलेंगे जिन्हें अंग्रेजी सीखने वालों के लिए विकसित किया गया है।

1. ऐसी ऑडियो रिकॉर्डिंग्स चुनें जो आपके छात्र-छात्राओं के लिए उपयुक्त हो और जिसे वे दिलचस्प पाएंगे। ऐसी रिकॉर्डिंग चुनें जो छोटी हो।
2. कक्षा के सामने ऑडियो रिकॉर्डिंग्स को सुनें। रिकॉर्डिंग के बारे में अपने छात्र-छात्राओं से पूछने के लिए कुछ प्रश्न लिखें। आपको बहुत अधिक प्रश्न लिखने

की जरूरत नहीं है; पाँच से आठ प्रश्न काफी हैं। (इस गतिविधि को करने के लिए आपके लिए आवश्यक कक्षा में प्रयुक्त कुछ भाषा के लिए संसाधन 2 देखें।)

3. कक्षा में, ऑडियो रिकॉर्डिंग्स बजाने से पहले ब्लैकबोर्ड पर प्रश्न लिखें। इससे छात्र-छात्रा विषय के बारे में सोचने के लिए प्रेरित होंगे। इससे उन्हें मुख्य बातों पर ध्यान देने में भी मदद मिलेगी। इससे उन्हें सुनने का उद्देश्य मिलता है, और विशिष्ट जानकारी के लिए सुनने में उन्हें मदद मिलती है।
4. रिकॉर्डिंग बजाएं और फिर अपने छात्र-छात्राओं को जोड़ियों या समूहों में प्रश्नों पर चर्चा करने के लिए कुछ समय दें।
5. यदि आपके छात्र-छात्राओं को जरूरत हो, तो रिकॉर्डिंग को दोबारा बजाएं। फिर प्रश्नों का उत्तर देने को कहें। याद रखें कि आप जब भी चाहें तब रिकॉर्डिंग को रोक सकते हैं। ऐसा करना तब बहुत उपयोगी हो सकता है यदि रिकॉर्डिंग लंबी है, या यदि आपके छात्र-छात्राओं को प्रश्नों का उत्तर खोजने में कठिनाई हो रही है।



ज़रा सोचिए

इस गतिविधि को अपने छात्र-छात्राओं के साथ आजमाने के बाद, निम्नलिखित प्रश्नों के बारे में सोचें:

- आपके छात्र-छात्राओं को ऑडियो सुनना कठिन या आसान लगा? सुनने और सीखने में मार्गदर्शन करने के लिए आपको हस्तक्षेप करने की जरूरत कब पड़ी?
- अगली बार यह गतिविधि करने के लिए आप क्या परिवर्तन करेंगे? क्या आप किसी अलग प्रकार की रिकॉर्डिंग का उपयोग करेंगे?

पहली बार इस तरह की गतिविधि छात्र-छात्राओं को शायद काफी चुनौतीपूर्ण लगेगी। छात्र-छात्राओं के सुनने से पहले उन्हें तैयार करने से इसका अनुसरण करना उनके लिए अधिक आसान हो जाएगा। केस स्टडी 3 के चरणों का पालन करें: छात्र-छात्राओं के सुनने से पहले उन्हें पाठ के विषय, और ऐसी कुछ शब्दावली से परिचित करवाएं जो वे सुनने वाले हैं। छात्र-छात्राओं को सुनने का कारण देने के लिए प्रश्न प्रदान करें।

अपने छात्र-छात्राओं को बताएं कि भाषा को समझने में कठिनाई हो सकती है। उनसे कहें कि यह सामान्य बात है, और कि उन्हें चिंता नहीं करनी चाहिए। अपने छात्र-छात्राओं को यथा संभव प्रोत्साहित करें। अधिक अभ्यास से, वे अंग्रेजी सुनने के अभ्यस्त हो जाएंगे।

यदि आपको अपने छात्र-छात्राओं के साथ उपयोग करने के लिए उपयुक्त ऑडियो रिकॉर्डिंग्स खोजने में कठिनाई हो, तो नीचे कुछ सुझाव दिए गए हैं।

- यदि आप कक्षा में प्रौद्योगिकी का उपयोग करने से घबराते हैं (मोबाइल फोन, टेप रिकॉर्डर, लैपटॉप, सीडी प्लेयर), तो पहली बार उपकरण का उपयोग कक्षा के बाहर करें ताकि आप उसका उपयोग करने में आश्वस्त महसूस कर सकें।
- यदि आप स्वयं अधिक आश्वस्त नहीं हैं तो आप ऐसे किसी अन्य शिक्षक/शिक्षिका की सहायता भी ले सकते हैं जो प्रौद्योगिकी का अभ्यस्त हो। संभव है आपके एक या दो छात्र-छात्रा भी इसमें आपकी मदद कर सकते हैं। युवा लोग प्रायः प्रौद्योगिकी में बहुत माहिर होते हैं!
- हमेशा सुनिश्चित करें कि कक्षा में बजाने से पहले आप ऑडियो रिकॉर्डिंग्स सुन लें। इससे सुनिश्चित होता है कि बजाई जाने वाली सामग्री उपयुक्त है।

- सुनिश्चित करें कि आपकी कक्षा के सभी छात्र-छात्रा सुन सकें। खास तौर पर बड़े समूहों वाली कक्षा में उपयोग के लिए स्पीकरों की जरूरत पड़ेगी।
छोटे पोर्टेबल स्पीकरों का सेट उपयुक्त रहेगा। यदि स्पीकर उपलब्ध नहीं हैं, तो आप छात्र-छात्राओं से रिकॉर्डिंग को छोटे समूहों में, एक बार में एक समूह को सुनने को कह सकते हैं।
- ऑडियो रिकॉर्डिंग्स एक से अधिक बार बजाएं। पहली बार जब छात्र-छात्रा सुनते हैं, तब वे सामान्य मतलब समझने का प्रयास कर सकते हैं; दूसरी बार, वे विशिष्ट जानकारी के लिए सुन सकते हैं।

लंबी ऑडियो रिकॉर्डिंग्स न बजाएं। उन्हें संक्षिप्त रखें और बार-बार रुकते रहें, खास तौर पर तब, जब आपके छात्र-छात्राओं को कठिनाई हो रही हो। आप अपने छात्र-छात्राओं में आत्मविश्वास प्रदान करना चाहते हैं।

4 सारांश

इस इकाई में आपने सीखा कि आप उन गतिविधियों को कैसे विकसित कर सकते हैं जो संसाधनों का सृजनात्मक ढंग से उपयोग करती हैं ताकि आप अपने छात्र-छात्राओं की उनके सुनने के कौशलों को विकसित करने में सहायता कर सकें। इन गतिविधियों को करने के लिए आपके काम आने वाली भाषा के कुछ उदाहरणों के लिए संसाधन 2 देखें। इन सभी गतिविधियों में यह सोचना महत्वपूर्ण है कि गतिविधि को छात्र-छात्राओं के लिए सुलभ और सार्थक कैसे बनाया जा सकता है। सुनने की ये गतिविधियाँ पाठ्यपुस्तक की अन्य गतिविधियों या आपके छात्र-छात्राओं के जीवन की घटनाओं और अनुभवों से संबंधित होनी चाहिए। सभी गतिविधियों में आपको सावधानीपूर्वक सुनना और देखना होगा कि आपके छात्र किस तरह से प्रतिक्रिया करते हैं ताकि आप अपनी कक्षा के सभी छात्र-छात्राओं के लिए सीखने की प्रक्रिया को निर्देशित करने और सुगम बनाने के लिए हस्तक्षेप कर सकें।

यदि आप अपने स्वयं के सुनने के कौशलों को सुधारना चाहते हैं, तो संसाधन 4 में और इकाई "अपनी अंग्रेजी को विकसित करने" में आपको लिंक्स और सुझाव मिलेंगे। आगे के पठन के लिंक्स के लिए अतिरिक्त संसाधन खंड देखें।

छात्र-छात्राओं के अंग्रेजी सुनने के लिए अवसरों का निर्माण करने के बारे में आप इकाई 'अपनी कक्षा में अधिक अंग्रेजी का उपयोग करना' में अधिक सीख सकते हैं।

संसाधन

संसाधन 1: श्री इमरान की 'सुनें और चित्र बनाएं' गतिविधि में दिया गया चित्र



चित्र R1.1 एक पिंजरे में एक स्लॉथ बियर का चित्र (NCERT, 2006 ए, पृ. 117)।

संसाधन 2: अपनी अंग्रेज़ी का विकास करना

इस इकाई की गतिविधियाँ करने के लिए उपयोगी हो सकने वाले कुछ वाक्यांशों की सूची यहाँ उपलब्ध है।

- 'क्या आपके पास एक पेन और कुछ कागज है?'
- 'मैं आपको कुछ निर्देश देने जा रहा हूँ। मैं जो कहूँ उसे सुनें, और उसका चित्र बनाएं।'
- अपनी चित्रकारी के बारे में चिंता न करें। यह चित्रकला की कक्षा नहीं है। बस जल्दी से चित्र बनाएं!
- 'अब अपने चित्र की तुलना अपने मित्र/किताब के चित्र से करें। क्या उनमें कोई अंतर है?'
- 'वह एक शानदार/मज़ेदार चित्र है!'
- 'मैं ... के बारे में एक अनुच्छेद पढ़ने जा रहा हूँ'
- 'बोर्ड पर प्रश्न देखें और उन्हें अपनी नोटबुकों में लिखें।'
- 'अब सावधानीपूर्वक सुनें, और प्रश्नों के उत्तर खोजें।'
- 'क्या मैं उसे दोबारा पढ़ूँ?'
- 'अब जोड़ियों में उत्तरों पर चर्चा करें।'
- 'क्या किसी ने आज खबरें सुनी हैं?'
- 'क्या हुआ है?'
- 'क्या आप मुझे खबरों के बारे में बता सकते हैं?'
- 'आज मैं अंग्रेज़ी में खबरें सुनाने जा रही हूँ।'
- 'क्या हर व्यक्ति को सुनाई दे रहा है?'

- 'क्या कमरे के पिछले भाग में सुनाई दे रहा है?'
- 'उसमें कितनी खबरें थीं?'
- 'क्या आपको कुछ समझ में आया? आपने क्या समझा?'
- 'क्या आपको पहली खबर समझ में आई? वह किस बारे में थी?'
- 'क्या आप फिर से सुनना चाहेंगे?'

यदि आप सुनने के कौशलों को विकसित करना चाहते हैं, तो आप:

- यदि संभव हो तो, अंग्रेजी टीवी कार्यक्रम या फिल्में सुन सकते हैं
- अंग्रेजी खबरें सुनें – आप उसे पहले अपने घर की भाषा में सुन सकते हैं
- संसाधन 3 की कुछ गतिविधियाँ आजमाएं।

संसाधन 3: सीखने के लिए बातचीत

सीखने के लिए बातचीत क्यों जरूरी है

बातचीत मानव विकास का हिस्सा है, जो सोचने-विचारने, सीखने और विश्व का बोध प्राप्त करने में हमारी मदद करती है। लोग भाषा का इस्तेमाल तार्किक क्षमता, ज्ञान और बोध को विकसित करने के लिए औजार के रूप में करते हैं। अतः, छात्र-छात्राओं को उनके सीखने के अनुभवों के भाग के रूप में बात करने के लिए प्रोत्साहित करने का अर्थ होगा उनकी शैक्षणिक प्रगति को बढ़ाना। सीखे गए विचारों के बारे में बात करने का अर्थ होता है:

- उन विचारों को परखा गया है
- तार्किक क्षमता विकसित और सुव्यवस्थित है
- जिससे छात्र-छात्रा अधिक सीखते हैं।

किसी कक्षा में रटा-रटाया दोहराने से लेकर उच्च श्रेणी की चर्चा तक छात्र-छात्रा वार्तालाप के विभिन्न तरीके होते हैं।

पारंपरिक तौर पर, शिक्षक/शिक्षिका की बातचीत का दबदबा होता था और वह छात्र-छात्राओं की बातचीत या छात्र-छात्राओं के ज्ञान के मुकाबले अधिक महत्वपूर्ण समझी जाती थी। तथापि, पढ़ाई के लिए बातचीत में सीखने की योजना शामिल होती है ताकि छात्र-छात्रा इस ढंग से अधिक बात करें और अधिक सीखें कि शिक्षक/शिक्षिका, छात्र-छात्राओं के पहले के अनुभव के साथ संबंध कायम करें। यह किसी शिक्षक/शिक्षिका और उसके छात्र-छात्राओं के बीच प्रश्न और उत्तर सत्र से कहीं अधिक होता है क्योंकि इसमें छात्र-छात्रा की अपनी भाषा, विचारों और रुचियों को ज्यादा समय दिया जाता है। हम में से अधिकांश कठिन मुद्दे के बारे में या किसी बात का पता करने के लिए किसी से बात करना चाहते हैं, और शिक्षक/शिक्षिका बेहद सुनियोजित गतिविधियों से इस प्रवृत्ति को बढ़ा सकते हैं।

कक्षा में शिक्षण गतिविधियों के लिए बातचीत की योजना बनाना

शिक्षण की गतिविधियों के लिए बातचीत की योजना बनाना महज साक्षरता और शब्दावली के लिए नहीं है, यह गणित एवं विज्ञान के काम तथा अन्य विषयों की योजना का हिस्सा भी है। इसे समूची कक्षा में, जोड़ी कार्य या समूह कार्य में, आउटडोर गतिविधियों में, भूमिका पर आधारित गतिविधियों में, लेखन, वाचन, प्रायोगिक छानबीन और रचनात्मक कार्य में योजनाबद्ध किया जा सकता है।

यहां तक कि साक्षरता और गणना के सीमित कौशलों वाले नन्हें छात्र-छात्रा भी उच्चतर श्रेणी के चिंतन कौशलों का प्रदर्शन कर सकते हैं, बशर्ते कि उन्हें दिया जाने वाला कार्य उनके पहले के अनुभव पर आधारित और आनंदप्रद हो। उदाहरण के लिए, छात्र-छात्रा तस्वीरों, आरेखणों या वास्तविक वस्तुओं से किसी कहानी, पशु या आकृति के बारे में पूर्वानुमान लगा सकते

हैं। छात्र-छात्रा भूमिका निभाते समय कठपुतली या पात्र की समस्याओं के बारे में सुझावों और संभावित समाधानों को सूचीबद्ध कर सकते हैं।

आप छात्र-छात्राओं को जो कुछ सिखाना चाहते हैं, उसके इर्दगिर्द सीखने की योजना बनायें और इस बारे में सोचें, और साथ ही इस बारे में भी कि आप किस प्रकार की बातचीत को छात्र-छात्राओं में विकसित होते देखना चाहते हैं। कुछ प्रकार की बातचीत जिज्ञासा पैदा करने वाली होती है, उदाहरण के लिए: 'इसके बाद क्या होगा?', 'क्या हमने इसे पहले देखा है?', 'यह क्या हो सकता है?' या 'आप ऐसा क्यों सोचते हैं कि वह यह है?' कुछ अन्य प्रकार की वार्ताएं ज्यादा विश्लेषणात्मक होती हैं, उदाहरण के लिए विचारों, साक्ष्य या सुझावों का आकलन करना।

इसे रोचक, मजेदार और सभी छात्र-छात्राओं के लिए संवाद में भाग लेना संभव बनाने की कोशिश करें। छात्र-छात्राओं को उपहास का पात्र बनने या गलत होने के भय के बिना दृष्टिकोणों को व्यक्त करने और विचारों का पता लगाने में सहज होने और सुरक्षित महसूस करने की जरूरत होती है।

छात्र-छात्राओं की वार्ता को आगे बढ़ाएं

सीखने-सिखाने के लिए वार्ता शिक्षक/शिक्षिकाओं को निम्न अवसर प्रदान करती है:

- छात्र-छात्रा जो कहते हैं उसे सुनना
- छात्र-छात्राओं के विचारों की प्रशंसा करना और उस पर आगे काम करना
- इसे आगे ले जाने के लिए छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करना।

सभी उत्तरों को लिखना या उनका औपचारिक आकलन नहीं करना होता है, क्योंकि वार्ता के जरिये विचारों को विकसित करना सीखने-सिखाने का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आपको उनके सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को प्रासंगिक बनाने के लिए उनके अनुभवों और विचारों का यथासंभव प्रयोग करना चाहिए। सर्वश्रेष्ठ वार्ता जिज्ञासा पैदा करने वाली होती है, जिसमें छात्र-छात्रा एक दूसरे के विचारों की जांच करते हैं और चुनौती पेश करते हैं ताकि वे अपने उत्तरों को लेकर विश्वस्त हो सकें। एक साथ बातचीत करने वाले समूहों को किसी के भी द्वारा दिए गए उत्तर को स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए। आप समूची कक्षा की सेटिंग में 'क्यों?', 'आपने उसका निर्णय क्यों किया?' या 'क्या आपको उस हल में कोई समस्या नजर आती है?' जैसे जाँच वाले प्रश्नों के अपने प्रयोग के माध्यम से चुनौतीपूर्ण विचारशीलता को तैयार कर सकते हैं। आप छात्र-छात्रा समूहों को सुनते हुए कक्षा में घूम सकते हैं और ऐसे प्रश्न पूछकर उनकी सोचने की क्षमता को बढ़ा सकते हैं।

अगर छात्र-छात्राओं की वार्ता, विचारों और अनुभवों की कद्र और सराहना की जाती है तो वे प्रोत्साहित होंगे। बातचीत करने के दौरान अपने व्यवहार, सावधानी से सुनने, एक दूसरे से प्रश्न पूछने, और बाधा न डालना सीखने के लिए अपने छात्र-छात्राओं की प्रशंसा करें। कक्षा में कमजोर बच्चों के बारे में सावधान रहें और उन्हें भी शामिल किया जाना सुनिश्चित करने के तरीकों पर विचार करें। कामकाज के ऐसे तरीकों को स्थापित करने में थोड़ा समय लग सकता है, जो सभी छात्र-छात्राओं को पूरी तरह से भाग लेने की सुविधा प्रदान करते हों।

छात्र-छात्राओं को खुद से प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करें

अपनी कक्षा में ऐसा वातावरण तैयार करें जहां अच्छे चुनौतीपूर्ण प्रश्न पूछे जाते हैं और जहां छात्र-छात्राओं के विचारों को सम्मान दिया जाता है और उनकी प्रशंसा की जाती है। छात्र-छात्रा प्रश्न नहीं पूछेंगे अगर उन्हें उनके साथ किए जाने वाले व्यवहार को लेकर भय होगा या अगर उन्हें लगेगा कि उनके विचारों का मान नहीं किया जाएगा। छात्र-छात्राओं को प्रश्न पूछने के लिए आमंत्रित करना उनकी जिज्ञासा को दर्शाने के लिए प्रोत्साहित करता है, उनसे अपने सीखने के बारे में अलग ढंग से विचार करने के लिए कहता है और उनके नजरिए को समझने में आपकी सहायता करता है।

आप समूह या जोड़े में नियमित रूप से कार्य करने, या शायद 'छात्र-छात्राओं के प्रश्न पूछने का समय' जैसी कोई योजना बना सकते हैं ताकि छात्र-छात्रा प्रश्न पूछ सकें या स्पष्टीकरण मांग सकें। आप:

- अपने पाठ के एक भाग को 'अगर आपका प्रश्न है तो हाथ उठाएं' नाम रख सकते हैं।
- किसी छात्र-छात्रा को हॉट-सीट पर बैठा सकते हैं और दूसरे छात्र-छात्राओं को उस छात्र से प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं जैसे कि वे पात्र हों, उदाहरणतः पाइथागोरस या मीराबाई
- जोड़ों में या छोटे समूहों में 'मुझे और अधिक बताएं' खेल खेल सकते हैं
- मूल पूछताछ (Basic enquiry) का अभ्यास करने के लिए छात्र-छात्राओं को कौन/क्या/कहां/कब/क्यों वाले प्रश्न गिड़ दे सकते हैं
- छात्र-छात्राओं को कुछ डेटा (जैसे कि विश्व डेटा बैंक से उपलब्ध डेटा, उदाहरणतः पूर्णकालिक शिक्षा में बच्चों की प्रतिशतता या भिन्न देशों में स्तनपान की विशेष दरें) दे सकते हैं, और उनसे उन प्रश्नों के बारे में सोचने के लिए कह सकते हैं जो आप इस डेटा के बारे में पूछ सकते हैं
- छात्र-छात्राओं के सप्ताह भर के प्रश्नों को सूचीबद्ध करते हुए प्रश्न दीवार (Question wall) डिज़ाइन कर सकते हैं।

जब छात्र-छात्रा प्रश्न पूछने और उन्हें मिलने वाले प्रश्नों के उत्तर देने के लिए मुक्त होते हैं तो उस समय आपको रुचि और विचारशीलता के स्तर को देखकर हैरानी होगी। जब छात्र-छात्रा अधिक स्पष्टता और सटीकता से संवाद करना सीख जाते हैं, तो वे न केवल अपनी मौखिक और लिखित शब्दावलियां बढ़ाते हैं, अपितु उनमें नया ज्ञान और कौशल भी विकसित होता है।

संसाधन 4: ऑडियो रिकॉर्डिंग्स के लिए लिंक्स

यहाँ ऐसी मुफ्त ऑडियो रिकॉर्डिंग्स के लिए कुछ लिंक्स उपलब्ध हैं जिन्हें बड़ी उम्र के अंग्रेजी सीखने वालों के लिए विकसित किया गया है:

- Randall's ESL Cyber Listening Lab: <http://www.esl-lab.com/>
- elllo: <http://elllo.org/>
- Listen a Minute: <http://listenaminute.com/>
- 'Listen and watch': <http://learnenglish.britishcouncil.org/en/listen-and-watch>
- 'English listening exercises': <http://www.esolcourses.com/content/topicsmenu/listening.html>

इस लिंक में मुफ्त ऑडियो रिकॉर्डिंग्स हैं जिन्हें अंग्रेजी के किशोर छात्र-छात्राओं के लिए विकसित किया गया है:

- 'Readers for teens':
http://www.cambridge.org/gb/elt/catalogue/subject/project/custom/item5633106/Readers-for-Teens-Audio/?site_locale=en_GB

और गीतों के लिए कुछ लिंक्स (अंग्रेजी सीखने वालों के लिए गतिविधियों के साथ):

- 'Using authentic songs in the ELC classroom': <http://www.tuneintoenglish.com/?p=833>

यहाँ TeachingEnglish वेबसाइट से सुनने की कुछ सरल गतिविधियाँ उपलब्ध हैं जिन्हें आप कक्षा में कर सकते हैं:

- Active listening activities: <http://www.teachingenglish.org.uk/activities/active-listening-activities>
- Listening activities for songs: <http://www.teachingenglish.org.uk/activities/listening-activities-songs>
- Total physical response – TPR: <http://www.teachingenglish.org.uk/article/total-physical-response-tpr>

अतिरिक्त संसाधन

अंग्रेजी के शिक्षक/शिक्षिकाओं के लिए लेखों और सुझावों के लिए कुछ लिंक्स यहाँ प्रस्तुत हैं:

- Articles on listening: <http://www.teachingenglish.org.uk/articles/listening>
- Listening skills: <http://www.onestopenglish.com/skills/listening/>
- 'Better listening': <http://orelt.col.org/module/1-better-listening>

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

All India Radio, <http://allindiaradio.gov.in/default.aspx> (accessed 30 July 2013).

British Council (undated) 'Listen and watch' (online). Available from: <http://learnenglish.britishcouncil.org/en/listen-and-watch> (accessed 31 July 2013).

Cambridge English (undated) 'Readers for teens' (online). Available from: http://www.cambridge.org/gb/elt/catalogue/subject/project/custom/item5633106/Readers-for-Teens-Audio/?site_locale=en_GB (accessed 31 July 2013).

ello, <http://ello.org/> (accessed 31 July 2013).

ESOL Courses (undated) 'English listening exercises – online lessons for ESL students' (undated). Available from: <http://www.esolcourses.com/content/topicsmenu/listening.html> (accessed 31 July 2013).

Kavanagh, F. (2007) 'Using authentic songs in the ELC classroom' (online), Tune into English. Available from: <http://www.tuneintoenglish.com/?p=833> (accessed 31 July 2013).

Listen a Minute, <http://listenaminute.com/> (accessed 31 July 2013).

National Council of Educational Research and Training (2005) *National Curriculum Framework*, National Council of Educational Research and Training. Available from: <http://www.ncert.nic.in/rightside/links/pdf/framework/english/nf2005.pdf> (accessed 25 September 2014).

National Council of Educational Research and Training (2006a) *Beehive: Textbook in English for Class IX*, National Council of Educational Research and Training. Available from: <http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm> (accessed 26 September 2014).

National Council of Educational Research and Training (2006b) *Honeydew: Textbook in English for Class VIII*, National Council of Educational Research and Training. Available from: <http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm> (accessed 31 July 2013).

National Council of Educational Research and Training (2006c) *Position Paper 1.4: National Focus Group on Teaching of English*, National Council of Educational Research and Training.

Available from: http://www.ncert.nic.in/new_ncert/ncert/rightside/links/pdf/focus_group/english.pdf (accessed 31 July 2013).

Onestopenglish (undated) 'Listening skills' (online). Available from: <http://www.onestopenglish.com/skills/listening/> (accessed 31 July 2013).

Randall's ESL Cyber Listening Lab, <http://www.esl-lab.com/> (accessed 31 July 2013).

TeachingEnglish, <http://www.teachingenglish.org.uk/> (accessed 31 July 2013).

स्वीकृतियाँ / सहमतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है (<http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/>)। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस इकाई में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभार:

चित्र 2: तस्वीर किम ऐशमोर द्वारा। (Figure 2: photo by Kim Ashmore)

चित्र R1.1: NCERT द्वारा प्रकाशित पाठ्यपुस्तक *मधुमक्खी का छत्ता* (2006) से लिया गया चित्र, पृष्ठ 117। (Figure R1.1: illustration from the textbook *Beehive* (2006) published by NCERT, page 117.)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन शिक्षक प्रशिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।